UNIVERSITY NEWS 21 FEBRUARY 2025

AMAR UJALA

जयंती पर लविवि में हुए कार्यक्रम में बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी बोले- महिला, सुरक्षा और स्वदेशी को बढ़ाने में शिवाजी का अहम योगदान

छत्रपति शिवाजी ने बनाई थी भारत की पहली नौसेना

संवाद न्यूज एजेंसी

लविवि के मालवीय सभागार में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी का सम्मान करते कुलपति प्रो. जेपी सैनी। स्रोत : विवि

...स्वदेशी (स्वराज) को बढ़ावा दिया। साथ ही मजबूत किलेबंदी और भारत की पहली नौसेना का निर्माण किया। ये बातें भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने कहीं।

मौका था छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती पर शुक्रवार को लखनऊ विश्वविद्यालय की ओर से मालवीय सभागार में आयोजित कार्यक्रम का। मंत्री ने ...

... अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाना है और इसमें समाज के प्रबुद्ध व समर्पित लोगों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। समारोह के अध्यक्ष के रूप में ... मौजूद रहे।

AMAR UJALA

टेस्ट बताएगा... रोजगार के कितने लायक हैं विद्यार्थी

लखनऊ विवि की पहल, संबद्ध महाविद्यालयों के विद्यार्थियों के लिए भी मौका

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय व संबद्ध महाविद्यालयों के विद्यार्थियों के कॅरिअर की दिशा एंप्लॉयबिलिटी टेस्ट के माध्यम से तय होगी। लखनऊ विश्वविद्यालय के प्लेसमेंट सेल की ओर से पहली बार विद्यार्थियों का टेस्ट के माध्यम से मूल्यांकन होने जा रहा है। इसके लिए अधिक से अधिक विद्यार्थी आवेदन कर सकते हैं।

इस बारे में प्लेसमेंट सेल के निदेशक प्रो. अनूप भारतीय ने बताया कि इस टेस्ट का ...

... क्षमता और समस्या-समाधान कौशल के बारे में भी पता चल सकेगा।

परीक्षण के बाद प्रत्येक छात्र की एक विस्तृत एआई-आधारित स्किल प्रोफाइल ... विद्यार्थियों की क्षमताओं का राष्ट्रीय स्तर पर तुलनात्मक आकलन करेगी बल्कि विशेषज्ञ-सुझाव आधारित सुधार योजना भी उपलब्ध कराई जाएगी। इसके माध्यम से ... बल्कि रोजगार क्षमता का प्रमाणित राष्ट्रीय मूल्यांकन, उद्योग-आधारित मार्गदर्शन और व्यावसायिक विकास का रोडमैप भी तैयार हो सकेगा।

लखनऊ विश्वविद्यालय का प्रयास है कि अपने विद्यार्थियों के साथ संबद्ध महाविद्यालयों व कॉलेजों के विद्यार्थियों को भी वैश्विक उद्योग मानकों के योग्य बनाया जाए। ...

- प्रो. जेपी सैनी, कुलपति, लखनऊ विवि

टेस्ट के बाद बनेगा टैलेंट पूल

इमार्टिकस लर्निंग संस्थान से 3500 से अधिक कंपनियां जुड़ी हैं। विद्यार्थियों के लिए आयोजित होने वाले एंप्लॉयबिलिटी टेस्ट के बाद कंपनियों की ओर से नेशनल टैलेंट पूल होगा। इससे भविष्य में उच्च गुणवत्ता वाली नौकरियों के अधिक अवसर खुलेंगे।

23 तक मौका यहां से करें आवेदन

आवेदन के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय ने लिंक https://forms.gle/es34cbHxwiynYzRE9 किया है। विद्यार्थियों के पास 23 फरवरी तक मौका है।

HINDUSTAN

दृष्टि और ध्वनि के आधार पर पक्षियों को पहचाना

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय के प्राणी शास्त्र विभाग ने अपने प्रायोगिक पाठ्यक्रम के तहत दो दिवसीय बर्ड वॉक का आयोजन किया। इस दौरान छात्रों ने दृष्टि और ध्वनि के आधार पर पक्षियों की पहचान की।

बर्ड वॉक का उद्देश्य छात्रों को प्रकृति से सीधे जुड़ने और पक्षी विविधता की गहन समझ देना था। विभागाध्यक्ष प्रोफेसर अमिता कनौजिया ने बताया कि इस बर्ड वाक में कुल 30 पक्षी प्रजातियां दर्ज की गई, जिनमें सामान्य मैना, तोता, हंसती फाख्ता, यूरेशियन कॉलर्ड डव, स्पॉटेड डव, कौआ, जंगल कौआ, पर्पल सनबर्ड, कॉपरस्मिथ बार्बेट, ब्राउन हेडेड बार्बेट, कोयल, ओरिएंटल मैगपाई रॉबिन, पेल बिल्ड फ्लावरपेक्कर, गौरैया, एशी प्रिनिया, एशियन ग्रे हॉर्नबिल, पपीहा, लाल सिर वाला बुलबुल शामिल रहीं।

HINDUSTAN

छत्रपति शिवाजी महाराज महान योद्धा ही नहीं, राष्ट्र गौरव के प्रतीक भी: पंकज

चार पद्मश्री समेत 17 विभूतियों को कर्मयोगी सम्मान से नवाजा गया

समारोह

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय के मालवीय सभागार में शुक्रवार को छत्रपति शिवाजी महाराज जयंती समारोह का आयोजन हुआ। मुख्य अतिथि प्रदेश भाजपा अध्यक्ष व केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी ने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज केवल एक महान योद्धा ही नहीं, बल्कि सुशासन, जनकल्याण, राष्ट्र गौरव और सांस्कृतिक स्वाभिमान के प्रतीक थे।

उन्होंने कहा कि शिवाजी महाराज ने विपरीत परिस्थितियों में भी राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए एक सशक्त और जनोन्मुख शासन की स्थापना की, जो आज भी हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत ...

छत्रपति शिवाजी महाराज जयंती समारोह के दौरान एलयू के मालवीय सभागार में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष पंकज चौधरी ने रंगकर्मी अनिल रस्तोगी को सम्मानित किया।

शिवाजी महाराज की वीरता धरोहर: नीरज सिंह

यूपी योग एसोसिएशन के अध्यक्ष व भाजपा नेता नीरज सिंह ने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज की वीरता, त्याग और राष्ट्रभक्ति भारतीय इतिहास की अमूल्य धरोहर है। ...

इन लोगों को किया गया सम्मानित

सम्मानित पद्मश्री विभूतियों में प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता, रंगकर्मी अनिल रस्तोगी, पद्मश्री डॉ. राजेन्द्र प्रसाद, आयुर्वेद विशेषज्ञ पद्मश्री डॉ. कमल कृष्ण ठकराल और पद्मश्री रामसरन वर्मा शामिल रहे। इनके अतिरिक्त लोकतंत्र सेनानी स्व. रामकुमार वर्मा, पूर्व सांसद अशोक वाजपेयी, पूर्व राज्यमंत्री राजेन्द्र तिवारी, पूर्व कुलपति प्रो. एस.पी. निमसे, शकुन्तला मिश्रा पुनर्वास विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय सिंह, प्रो. मदन लाल ब्रह्म भट्ट, वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज एवं सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली के निदेशक प्रो. अनुपम गुप्ता, पूर्व ...

AAJ

लखनऊ विश्वविद्यालय में बर्ड वॉक का आयोजन

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के प्राणी शास्त्र विभाग ने अपने प्रायोगिक पाठ्यक्रम के अंतर्गत दो दिवसीय बर्ड वॉक का सफल आयोजन किया। इस गतिविधि ने छात्रों को प्रकृति से सीधे जुड़ने और पक्षी विविधता की गहन समझ विकसित करने का अनूठा अवसर प्रदान किया। यह कार्यक्रम कक्षा शिक्षण को अनुभवात्मक क्षेत्रीय कार्य से जोड़ने के उद्देश्य से तैयार किया गया था। स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर के छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विभागाध्यक्ष प्रो. अमिता कनौजिया के नेतृत्व में प्रो गीतांजलि मिश्रा, डॉ आशीष कुमार और डॉ तृप्ति यादव ने छात्रों का मार्गदर्शन किया। इस बर्ड वॉक का मुख्य उद्देश्य पक्षियों को उनके प्राकृतिक आवास में देखना और समझना था। यह आयोजन विश्वविद्यालय के हरे-भरे मुख्य परिसर में हुआ, जो स्थानीय और प्रवासी पक्षियों दोनों के लिए सुरक्षित ठिकाना है।

TOI

LU students to take test for job assessment

Times News Network

Lucknow: The students of Lucknow University will get an opportunity to appear for the Imarticus National Employability Test (INET) conducted by the University's Central Placement Cell (CPC) at selected institutions across India.

The INET is a national-level online assessment that evaluates a student's industry readiness. Imarticus Learning, which is an educational organization, will provide the link via the CPC, through which the students can register and take the test.

In the first phase, undergraduate students from the sixth and eighth semesters and post-graduate students from the second and fourth semesters can participate. The test will be conducted in a proctored mode, and students must carry an Android phone or laptop for participation.

After the assessment, students will receive an AI-generated skill report highlighting strengths, identifying skill gaps, and providing personalized recommendations, enabling them to benchmark themselves nationally, said CPC director Anoop Kumar Bhartiya.

DAINIK JAGRAN

विद्यार्थियों को दी एआइ टूल्स की जानकारी

लखनऊ : लवि के वाणिज्य विभाग एवं टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज के संयुक्त तत्वावधान में परास्नातक विद्यार्थियों के लिए शुक्रवार को विशेष व्याख्यान हुआ। "ग्रो विद पर्पस" विषय पर हुए व्याख्यान में टाटा छात्र-छात्राओं को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और उसके टूल्स की जानकारी दी गई। सवाल-जवाब का राउंड भी हुआ। कार्यक्रम में विभाग के अध्यक्ष प्रो. राम मिलन व अन्य शिक्षक उपस्थित रहे। (वि.)

एलयू में विद्यार्थी 28 तक जमा कर सकेंगे फीस

एलयू में सम सेमेस्टर के विद्यार्थी अब 28 फरवरी बिना विलंब शुल्क दिए अपनी फीस जमा कर सकेंगे। पहले यह तिथि 13 फरवरी निर्धारित थी जिसे अब 28 फरवरी कर दिया गया है। कुलसचिव एलयू डॉ. भावना मिश्रा ने कार्यालय आदेश भी जारी कर दिया है।

शिवाजी के सिद्धांतों पर भाजपा सरकारें

लखनऊ विवि में आयोजित शिवाजी कर्मयोगी सम्मान समारोह में बोले पंकज चौधरी

राज्य ब्यूरो, जागरण, लखनऊ: भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी ने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज का जीवन आज भी नई पीढ़ी को साहस, नैतिकता और सुशासन की प्रेरणा देता है। भाजपा की सरकारें शिवाजी के सिद्धांतों पर आगे बढ़ रही हैं। स्वराज और जनकल्याण के लिए काम कर रही हैं। लोग अपने जीवन में शिवाजी के आदर्शों को उतारें और बेहतर भारत के निर्माण में अपना योगदान दें। ...

छत्रपति शिवाजी कर्मयोगी सम्मान समारोह में सम्मानित विभूतियों के साथ भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी, प्रो. एसपी निमसे कुलपति प्रो. जय प्रकाश सैनी, भाजपा नेता नीरज सिंह, महापौर सुषमा खर्कवाल व अन्य • जागरण

AMRIT VICHAR

छत्रपति शिवाजी की जयंती पर 17 कर्मयोगी सम्मानित

पद्मश्री अनिल रस्तोगी, पद्मश्री डॉ. राजेन्द्र प्रसाद, पद्मश्री डॉ. कमल कृष्ण ठकराल, पद्मश्री रामसरन वर्मा, डॉ. अशोक वाजपेयी को सम्मान से नवाजा

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

शिवाजी महाराज का नेतृत्व विश्वास और संगठन की शक्ति पर आधारित था : पंकज

... जेपी सैनी ने कहा कि विश्वविद्यालयों का दायित्व केवल शिक्षा देना नहीं, बल्कि युवाओं में नेतृत्व, नैतिकता और राष्ट्रबोध विकसित करना भी है। यूपी योग एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं भाजपा नेता नीरज सिंह ने कहा कि शिवाजी महाराज का जीवन 'राष्ट्र प्रथम' की भावना का जीवंत उदाहरण है। महापौर सुषमा खर्कवाल भी कार्यक्रम में शामिल हुईं।

NBT

पद्मश्री डॉ. अनिल रस्तोगी को मिला कर्मयोगी सम्मान

NBT रिपोर्ट, लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय में छत्रपति शिवाजी जयंती के मौके पर 'प्रतिष्ठित कर्मयोगी सम्मान समारोह' का आयोजन किया गया। केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने कई प्रतिष्ठित लोगों को सम्मानित किया। इनमें पद्मश्री डॉ. अनिल रस्तोगी, पद्मश्री राम सरन वर्मा, भाजपा नेता अशोक बाजपेयी, कैंसर संस्थान के निदेशक प्रो. मदन लाल ब्रह्म भट्ट, एलयू के डॉ. राजेंद्र प्रसाद, एसजीपीजीआई के पूर्व महानिदेशक डॉ. ओमकार राय को सम्मानित किया गया।

लखनऊ विवि के मालवीय सभागार में हुआ आयोजन

मुख्य अतिथि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने कहा कि शिवाजी की रणनीति, प्रशासन, व्यापार प्रोत्साहन समेत हर क्षेत्र में उनकी तुलना नहीं हो सकती। एलयू क्रीड़ा परिषद की ओर से हुए इस आयोजन में एलयू कुलपति प्रो. जेपी सैनी, उत्तर प्रदेश योग संघ के अध्यक्ष नीरज सिंह और लखनऊ की महापौर सुषमा खर्कवाल, एलयू के पूर्व कुलपति प्रो. एसपी निमसे व आयोजक संजय शुक्ला समेत कर्मचारी नेता व शिक्षक मौजूद रहे।

HINDUSTAN

एलयू में छात्रों को एआई के बारे में बताया

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज की ओर से परास्नातक विद्यार्थियों के लिए ग्रो विद पर्पस विषयक विशेष व्याख्यान का आयोजन हुआ। यहां टीसीएस के कीनोट स्पीकर्स ने छात्रों को एआई व उनके टूल्स की जानकारी प्रदान की। वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. राम मिलन, डॉ. आकृति जायसवाल आदि उपस्थित रहे।

AMAR UJALA

लविवि में तोता मैना, किंगफिशर और साइबेरियन पक्षियों की मिली मौजूदगी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के प्राणी शास्त्र विभाग ने दो दिवसीय बर्ड वॉक का आयोजन किया। यह कार्यक्रम प्रायोगिक पाठ्यक्रम के तहत कराया गया, जिसमें स्नातक और स्नातकोत्तर विद्यार्थियों ने परिसर में मौजूद पक्षियों की पहचान उनकी आवाज और बाहरी बनावट के आधार पर की। साथ ही उनके व्यवहार और प्राकृतिक आवास का अध्ययन कर फील्ड नोट्स तैयार किए। विभागाध्यक्ष प्रो. अमिता कनौजिया ने बताया कि बर्ड वॉक के दौरान लखनऊ विश्वविद्यालय परिसर में 30 स्थानीय और प्रवासी पक्षी प्रजातियां दर्ज की गईं। इनमें सामान्य मैना, तोता (रोज-रिंग्ड पैराकीट), फाख्ता, पर्पल सनबर्ड, एशियन ग्रे हॉर्नबिल, सफेद गले वाला किंगफिशर, बुलबुल, कोयल, मोर, शिकरा, ब्लैक काइट और साइबेरियन स्टोनचैट प्रमुख रहीं। कार्यक्रम में प्रो. गीतांजलि मिश्रा, डॉ. आशीष कुमार और डॉ. तृप्ति यादव का मार्गदर्शन रहा। (माई सिटी रिपोर्टर)

छात्रों को मिला एआई टूल का प्रशिक्षण

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज की ओर से परास्नातक विद्यार्थियों के लिए ग्रो विद पर्पस विषयक विशेष व्याख्यान हुआ। यहां टीसीएस के कीनोट स्पीकर्स ने छात्रों को एआई व उनके टूल्स की जानकारी दी। मौके पर वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. राम मिलन, डॉ. आकृति जायसवाल आदि उपस्थित रहे। (संवाद)

AAJ

शिवाजी ने अपने साहस से की स्वतंत्र राज्य की स्थापना-पंकज चौधरी

लखनऊ विश्वविद्यालय में छत्रपति शिवाजी जयंती का आयोजन

लखनऊ। शिवाजी महाराज अपनी दूरदर्शिता और असाधारण नेतृत्व के लिए प्रसिद्ध थे, उन्होंने बाहरी उत्पीड़न को कम किया और अपने साहस तथा सैन्य कौशल से एक मजबूत और स्वतंत्र राज्य की स्थापना की। ...

DAINIK JAGRAN

रंग-बिरंगे पक्षियों को देख चहक उठे बच्चे

जासं • लखनऊ : सुबह की गुनगुनी धूप में पेड़ों की ओट में दबे पांव चल रहे हैं। नजर ऊपर की ओर और हाथ में कैमरा। कुछ के पास मोबाइल। सूखे पत्तों पर किसी का पैर पड़ जाता तो बाकी बच्चे शांत रहने का इशारा करते। सबकी यही कामना है कि पक्षियों की सबसे अच्छी फोटो ले ली जाए। ...

HINDUSTAN

भाषा समकालीन बौद्धिक विमर्श का केंद्रीय क्षेत्र

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के मालवीय सभागार में दर्शनशास्त्र विभाग की ओर से भाषा का दर्शन: भारतीय एवं पाश्चात्य परिप्रेक्ष्य विषयक त्रिदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ हुआ। मुख्य अतिथि एलयू की पूर्व कुलपति प्रो. रूप रेखा वर्मा थीं। प्रो. राजेश्वर यादव ने कहा कि भाषा का दर्शन समकालीन बौद्धिक विमर्श का केंद्रीय क्षेत्र है, जिसमें अर्थ, संदर्भ जैसे प्रश्नों पर चिंतन अपेक्षित है।

VOICE OF LUCKNOW

शिवाजी ने विपरीत परिस्थितियों में भी राष्ट्रहित को रखा सर्वोपरि : चौधरी

UNIVERSITY NEWS 21 FEBRUARY 2025

NBT

पक्षियों की प्रजातियों से रूबरू हुए छात्र

■ **NBT रिपोर्ट, लखनऊ:** लखनऊ विश्वविद्यालय के जूलॉजी विभाग की ओर से शुक्रवार को बर्ड वॉक का आयोजन किया गया। इस मौके पर छात्रों को पक्षियों की कई दुर्लभ प्रजातियों को देखने का मौका मिला। परिसर में 30 से अधिक पक्षियों की प्रजातियों को चिह्नित किया गया। छात्रों को सभी पक्षियों के नाम व उनकी पहचान करने के तरीके भी सिखाए गए।

विभागाध्यक्ष प्रो. अमिता कनौजिया के नेतृत्व में इस बर्ड वॉक का आयोजन किया गया, जिसमें प्रो. गीतांजलि मिश्रा, डॉ. आशीष कुमार और डॉ. तृप्ति यादव भी शामिल रहे। पक्षियों को उनके प्राकृतिक आवास में देखना और समझना छात्रों को सिखाया गया। प्रो. अमिता कन्नौजिया ने बताया कि एलयू में कई प्रवासी पक्षी भी देखने को मिलते हैं। छात्रों ने दृष्टि और ध्वनि के आधार पर पक्षियों की पहचान करने और उनके व्यवहार को समझा। जिन विशेष प्रजातियों को छात्रों को देखा उसमें यूरेशियन कॉलर्ड डव, स्पॉटेड डव, पर्पल सनबर्ड, कॉपरस्मिथ बार्बेट, ब्राउन हेडेड बार्बेट, कोयल, ओरिएंटल मैगपाई रॉबिन, पेल बिल्ड समेत कई पक्षी शामिल रहे।

AAJ

संप्रेषण तथा चेतना के साथ है भाषा का संबंध- प्रो. राजेश्वर

लखनऊ। भाषा का दर्शन समकालीन बौद्धिक विमर्श का केंद्रीय क्षेत्र है, जिसमें अर्थ, संदर्भ, अभिप्राय, संप्रेषण तथा चेतना के साथ भाषा के संबंध जैसे प्रश्नों पर गंभीर चिंतन अपेक्षित है। उक्त उद्गार लखनऊ विश्वविद्यालय के मालवीय सभागार में भाषा का दर्शन :भारतीय एवं पाश्चात्य परिप्रेक्ष्य विषय पर दर्शनशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित त्रिदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में कार्यक्रम के संयोजक एवं दर्शनशास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो राजेश्वर प्रसाद यादव ने स्वागत भाषण में व्यक्त किये। उन्होंने इस संगोष्ठी को भारतीय और पाश्चात्य दार्शनिक परंपराओं के मध्य सार्थक संवाद की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताया। संगोष्ठी नॉर्थ-ईस्टर्न हिल विश्वविद्यालय, शिलांग के प्रो विनोद कुमार अग्रवाल ने बतौर मुख्य वक्ता अपने व्याख्यान में कहा कि भाषा की दार्शनिक संरचना में शब्द और अर्थ के संबंध बहुत गूढ़ है। उन्होंने शब्द और अर्थ के संबंध की सूक्ष्म व्याख्याओं की प्रासंगिकता को रेखांकित करते हुए प्रारंभिक वैदिक संदर्भों एवं उपनिषदों के आलोक में विषय को स्पष्ट करने का प्रयास किया। उद्घाटन सत्र का प्रारंभ दर्शनशास्त्र के प्रो राजेन्द्र कुमार वर्मा द्वारा मंचासीन अतिथियों के स्वागत, दीप प्रज्ज्वलन तथा कुलगीत से हुआ। तत्पश्चात विशिष्ट अतिथियों का सम्मान किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में लखनऊ विश्वविद्यालय की पूर्व कुलपति प्रो रूप रेखा वर्मा ने व्याकरण, मीमांसा एवं न्याय जैसी भारतीय भाषिक परंपराओं तथा विश्लेषणात्मक दर्शन एवं व्याख्याशास्त्र जैसी पाश्चात्य धाराओं के अंतर्संबंधों को रेखांकित किया। विशिष्ट अतिथि प्रो सच्चिदानंद मिश्र सदस्य सचिव नई दिल्ली ने अपने वक्तव्य में 20वीं शताब्दी में भाषा.दर्शन के विकास पर प्रकाश डाला।

I NEXT

एलयू मे किया गया शिवाजी जयंती का आयोजन

LUCKNOW (20 FEB): लखनऊ यूनिवर्सिटी के मालवीय हॉल में शुक्रवार को छत्रपति शिवाजी जयंती के अवसर पर कर्मयोगी सम्मान समारोह का आयोजन किया गया. जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी के साथ विशिष्ट अतिथि के रूप में भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष रामपति त्रिपाठी, यूपी योग संघ के अध्यक्ष नीरज सिंह और महापौर सुषमा खर्कवाल उपस्थित रहीं. कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई. जिसके बाद मुख्य वक्ता एलयू के पूर्व वीसी प्रो. एसबी निमसे ने छत्रपति शिवाजी की गौरवगाथा पर प्रकाश डाला.

मिली पक्षियों की 30 प्रजातियां

LUCKNOW (20 FEB): लखनऊ विश्वविद्यालय के प्राणी शास्त्र विभाग की ओर से परिसर में शुक्रवार को आयोजित दो दिवसीय बर्ड वाक के दौरान पक्षियों की 30 प्रजातियां दर्ज की गईं. कार्यक्रम के दौरान विभागाध्यक्ष प्रो. अमिता कनौजिया के नेतृत्व में प्रो. गीतांजलि मिश्रा, डा. आशीष कुमार और डा. तृप्ति यादव ने छात्रों का मार्गदर्शन किया.प्रो. अमिता कनौजिया ने बताया कि इस बर्ड वाक का मुख्य उद्देश्य पक्षियों को उनके प्राकृतिक आवास में देखना और समझना था. इस दौरान स्टूडेंट्स ने दृष्टि और ध्वनि के आधार पर पक्षियों की पहचान की. उनके व्यवहार और पारिस्थितिक अंत:क्रियाओं को देखा और जैव विविधता के दस्तावेजीकरण के लिए फील्ड नोट्स तैयार किए. बर्ड वाक में पक्षियों की जिन प्रजातियों की पहचान की गई.

TIMES OF INDIA

‘Shivaji was a secular ruler, fought against atrocities’

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: Chhatrapati Shivaji Maharaj was a secular ruler who fought against the atrocities and injustice of the rulers of his time, said speakers at the Social Justice Conclave in Kaiserbagh on Friday.

The event was held to mark the birth anniversary of Shivaji, observed as **SHIVAJI ANNIV** Social Justice Day.

In the session, ‘Itihas–Sahitya: Myth aur Jhooth ke Gaddmad Hone ke Daur Mein — Aage Kaise Badhein,’ speakers expressed concern over the misinterpretation of history and false narratives pushed among the masses through manipulated content on social media.

Social worker Ragavendra Dubey was of the view that presenting Shivaji Maharaj as a fighter for Hindu Rashtra is historically incorrect because he fought against oppression and injustice.

Social activist and satirist Rajeev Dhyani pointed out that right-wing groups are using technology to build false narratives claiming Shivaji is a Hindu icon.

Social worker Vandana Mishra argued that the fight for social justice and to protect the true legacy of Shivaji Maharaj requires both online and offline efforts.

Former vice-chancellor of Lucknow University, Roop Rekha Verma, said, “The struggle for social justice must come to the streets, and we should be ready to take risks to defend inclusive values.”